



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 897]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 1, 2017/कार्तिक 10, 1939

No. 897]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 1, 2017/KARTIKA 10, 1939

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 2017

सा.का.नि. 1358(अ).—चूंकि वायुयान नियम, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का XXII) की धारा 14 की अपेक्षानुसार भारत सरकार नागर विमानन मंत्रालय की तारीख 11 सितंबर, 2017 की अधिसूचना सं. सा.का.नि 1152(अ) के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित किए गए, जिसे ऐसे सभी व्यक्तियों जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, से राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिन की अवधि की समाप्ति से पूर्व आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करते हुए भारत के राजपत्र की प्रतियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई गईं;

और चूंकि उक्त अधिसूचना में प्रकाशित राजपत्र की प्रतियां 13 सितंबर, 2017 को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई गई थीं;

और चूंकि उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट अवधि के अंदर प्रारूप नियमों के बावत प्राप्त आक्षेपों या सुझावों पर विचार किया गया है;

अतः, अब, केंद्रीय सरकार उक्त वायुयान अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायुयान नियम, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थातः-

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (ग्यारहवाँ संशोधन) नियम, 2017 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 में---

(क) नियम 3 में---

(i) खंड (9क) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड को अन्तःस्थापित किया जाए, अर्थातः-

“(9छ) “अमेटर बिल्ट एयरक्राफ्ट” उस एयरक्राफ्ट से अभिप्रेत है, जिसका अधिकांश हिस्सा (न्यूनतम 51%) ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा निर्मित और समंजित किया गया है जिन्होंने अपने खुद की शिक्षा, अनुसंधान और विकास, खेल या मनोरंजन के लिए एकस्व प्रोजेक्ट का निर्माण किया है;”;

(ii) खंड (27) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड को अन्तःस्थापित किया जाए, अर्थातः-

“(27क) “जायरोप्लेन” उस एयरक्राफ्ट से अभिप्रेत है जिसके रोटर इंजन चालित नहीं हैं, आरंभिक शुरूआत से भिन्न किंतु उसका निर्माण वायु क्रिया से धूर्ण के लिए किया गया है जहां रोटरक्रॉफ्ट वेगमान है और जिसका नोदन साधन परंपरागत प्रोपेलर का सामान्यतः संगत होना रोटर प्रणाली पर आश्रित नहीं होता है;”;

(iii) खंड (39क) का लोप किया जाए;

(iv) खंड (47क) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड को अन्तःस्थापित किया जाए, अर्थातः-

“(47छ) “रिमोट पायलट” उस व्यक्ति से अभिप्रेत है जो रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट के प्रचालन के लिए अनिवार्य छूटी सहित प्रचालक से प्रभार लिया है और जो उड़ान काल के दौरान उड़ान नियंत्रण को यथोचित रूप से घटा-बढ़ा सकता है।”

(47ग) “रिमोट पायलट स्टेशन” रिमोटेडली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम के उस घटक से अभिप्रेत है जो रिमोटेडली पायलटेड एयरक्राफ्ट को चलाने के लिए प्रयुक्त उपस्कर में निहित है;

(47घ) “रिमोटेडली पायलटेड एयरक्राफ्ट” उस अनमेंड एयरक्राफ्ट से अभिप्रेत है जो रिमोट पायलट स्टेशन से चालित है;

(47ड.) “रिमोटेडली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम” उस रिमोटेडली पायलटेड एयरक्राफ्ट से अभिप्रेत है जो रिमोट पायलट स्टेशनों, अपेक्षित कमान और नियंत्रण लिंक तथा कोई अन्य घटक जो टाइप डिजाइन में विनिर्दिष्ट हों, से संबद्ध हैं;”;

(ख) नियम 6ग में, स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित को रखा जाए, अर्थातः-

“स्पष्टीकरण.”— इस नियम के प्रयोजन के लिए,—

- (1) किसी एयरक्राफ्ट के अन्तर्गत कोई एमेटर बिल्ट एयरक्राफ्ट होगा; और
- (2) अभिव्यक्ति “विनिर्दिष्ट विशेष प्रयोजन गैर-राजस्व, गैर यात्री वहन उड़ान” के अंतर्गत राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय संकट, या अन्यथा राहत प्रयोजन के लिए सामग्री या माल के वहन की अपेक्षा वाली ऐसी उड़ानों की दशा में केंद्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत उड़ानें होंगी”;

(ग) नियम 15 के पश्चात, निम्नलिखित नियम को अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:-

“15 क. रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम- (1) 250 ग्राम से अधिक सर्वाधिक भार वाला कोई रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट तब तक उड़ान नहीं भर सकेगा जबतक कि महानिदेशक द्वारा ऐसे वायुयान को यूनिक आईडेंटीफिकेशन नंबर आवंटित नहीं कर दिया जाता।

(2) सर्वाधिक भार से अधिक सीमा वाला कोई रिमोटेडली पायलट एयरक्राफ्ट जिसकी सीमा समय-समय पर महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, प्रचालक द्वारा वह एयरक्राफ्ट महानिदेशक द्वारा जारी अनुज्ञापत्र की विहित शर्तों के सिवाय प्रचालक द्वारा उड़ान नहीं किया जा सकेगा। ऐसा अनुज्ञापत्र, महानिदेशक के समाधानप्रद हो जाने पर दिया जा सकेगा कि आवेदक इस संबंध में महानिदेशक द्वारा यथाविनिर्दिष्ट अपेक्षाओं को पूरा करता है। इस अनुज्ञापत्र की विधिमान्यता ऐसी शर्तों के अनुपालन के अधीन रहते हुए जारी रह सकेगी जो महानिदेशक द्वारा अनुज्ञापत्र में अनुबंधित की जाए।

(3) उप-नियम (2) के अधीन प्रदान की गई अनुज्ञा जब तक निलंबित या रद्द नहीं की जा सकेगी, जबतक कि पाँच वर्ष से अनधिक की अवधि के लिए विधिमान्य नहीं रह जाती और उस समय पांच वर्ष से अनधिक के लिए नवीकृत नहीं कर दी जाती।

(4) अनुज्ञा की शर्तों का अनुपालन न होने या इन नियमों के किन्हीं उपबंधों का उल्लंघन होने की दशा में, महानिदेशक अनुज्ञाधारक को कारण बताओ नोटिस देने के पश्चात अनुज्ञा को निलंबित या रद्द कर सकेंगे।

(5) रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट के लिए यूनिक आईडेंटीफिकेशन नंबर जारी करने की फीस 1000 रुपये केवल होगी।

(6) रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट का प्रचालन के लिए अनुज्ञा प्रदान किए जाने और उसके नवीकरण किए जाने के लिए निम्नलिखित फीस देय होगी:

- (i) अनुज्ञा प्रदान करने के लिए: 25,000 रुपये केवल;
- (ii) अनुज्ञा का नवीकरण करने के लिए: 10,000 रुपये केवल।

(7) फीस महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में संदेय होगी.”;

(घ) नियम 20 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम को रखा जाए, अर्थात्:-

“20. कतिपय नियमों का ग्लाइडरों, पतंगों और रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम पर लागू न होना- (1)

नियम 7 ग्लाइडरों पर लागू नहीं होगा और नियम 26 के सिवाय, नियम 5, 6, 7, 12, 15, 17, 19 और भाग III के नियम, पतंगों पर लागू नहीं होंगे।

(2) भाग II के नियम 5, 6, 15 और नियम 21, 21क, 26 के सिवाय भाग III के सभी नियम और भाग IV, भाग V, भाग VI और भाग VII, के सभी नियम **रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम** पर लागू नहीं होंगे।”;

(ड.) नियम 38 में, उप-नियम (1) में,-

- (i) खंड (क) में “हेलीकॉप्टर” शब्द के स्थान पर “हेलीकॉप्टर, जायरोप्लेन” शब्दों को रखा जाए;
- (ii) खंड (ज) में “माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट और लाइट स्पोर्ट एयरक्राफ्ट” शब्दों के स्थान पर “माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, लाइट स्पोर्ट एयरक्राफ्ट और जायरोप्लेन” शब्दों को रखा जाए;

(च) नियम 39ग में, उप-नियम (1) के नीचे तालिका में,-

- (i) मद (iii) में “हेलीकॉप्टर” शब्द के स्थान पर “हेलीकॉप्टर या जायरोप्लेन” शब्दों को रखा जाए;
- (ii) मद (iv) में “माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट” शब्द के स्थान पर “माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट या जायरोप्लेन” शब्दों को रखा जाए;

(छ) नियम 60 में, उप-नियम (6) में, “ग्लाइडर” शब्द के स्थान पर “जायरोप्लेन, ग्लाइडर” शब्दों और विराम को रखा जाए;

(ज) नियम 61 में, उप-नियम (12) में, खंड (ii) के स्पष्टीकरण (ख) में “ग्लाइडर” शब्द के स्थान पर “जायरोप्लेन, ग्लाइडर” शब्दों को रखा जाए;

(झ) अनुसूची II में,-

(1) अनुभाग क में,-

- (क) पैरा 1 में, उप-पैरा (क) में, -
 - (i) खंड (i) में “हेलीकॉप्टर” शब्द के स्थान पर “हेलीकॉप्टर/जायरोप्लेन” शब्दों को रखा जाए;
 - (ii) खंड (iv) में “माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट” शब्दों के स्थान पर “जायरोप्लेन/माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट” शब्दों को रखा जाए;

(ख) पैरा 5 में, उप-पैरा (ख) में, “एफ और जी” अक्षरों और चिह्न के स्थान पर “एफ, जी और झ ख” अक्षरों और शब्द को रखा जाए;

(ग) पैरा 6 क में, उप-पैरा (क) में,--

- (i) खंड (vii) में “और” शब्द का लोप किया जाए;
- (ii) खंड (viii) में, के अंत में, “और” शब्द को जोड़ा जाए;
- (iii) खंड (viii) के पश्चात, निम्नलिखित खंड अतःस्थापित किया जाए, अर्थातः-

“(ix) पायलट अनुज्ञाति (माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट/लाइट स्पोर्ट एयरक्राफ्ट/जायरोप्लेन)”;

(2) अनुभाग ख में,-

- (क) शीर्ष में और पैरा 1 में, “लाइट स्पोर्ट एयरकाफ्ट” शब्दों के स्थान पर “लाइट स्पोर्ट एयरकाफ्ट/जायरोप्लेन” शब्दों को रखा जाए;
- (ख) पैरा 5 में, “या लाइट स्पोर्ट एयरकाफ्ट” शब्दों के स्थान पर “, लाइट स्पोर्ट एयरकाफ्ट या जायरोप्लेन” शब्दों को रखा जाए;

(3) अनुभाग-झ के पश्चात, निम्नलिखित अनुभाग को अतःस्थापित किया जाए, अर्थातः-

“अनुभाग-झ ख
पायलट अनुज्ञसि (जायरोप्लेन)

1. अनुज्ञसि जारी करने के लिए अपेक्षाएं- पायलट अनुज्ञसि (जायरोप्लेन) के लिए आवेदक को निम्नलिखित अपेक्षाओं की पूर्ति करनी होगी; अर्थात्

- (क) आयु—आवेदन की तारीख को उसकी आयु सत्रह वर्ष से कम नहीं होगी।
- (ख) शैक्षिक अर्हता—उसने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण की होगी।
- (ग) चिकित्सीय योग्यता—वह अनुमोदित चिकित्सा व्यवसायी से परीक्षा कराने के पश्चात् विहित प्ररूप में शारीरिक योग्यता का एक प्रमाणपत्र पेश करेगा। परीक्षा के दौरान उसे महानिदेशक द्वारा नियम 39ख के अधीन अधिसूचित अपेक्षाओं के अनुपालन के आधार पर अपनी चिकित्सीय योग्यता सिद्ध करनी होगी।
- (घ) ज्ञान—उसे महानिदेशक द्वारा विहित पाठ्यक्रम के अनुसार विमान विनियम विमान दिक्चालन, विमानन मौसम विज्ञान, वायुयान और इंजन में महानिदेशक द्वारा विहित पाठ्यक्रम के अनुसार लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी:

परन्तु ऐसे आवेदक को जिसके पास विधिमान्य प्राइवेट पायलट अनुज्ञसि (विमान/हेलीकाप्टर) या उच्चतर दर्जे की पायलट अनुज्ञसि है, को केवल विमान और एवं ईंजन परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

(ड.) अनुभव—वह जायरोप्लेन के पायलट के रूप में चालीस घंटे से अन्यून उड़ानकाल का संतोषप्रद रूप पूरे करने का साक्ष्य पेश करेगा जिसके अंतर्गत निम्नलिखित भी होगा-

- (i) पन्द्रह घंटे से अन्यून का एकल उड़ान काल जिसमें दस घंटे का अन्यून की एकल उड़ान अनुज्ञसि के लिए आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती बारह मास की अवधि के भीतर पूरी की गई हो।
- (ii) जायरो प्लेन के एकल अधिभोगी के रूप में पाँच घंटे से अन्यून का देश के आर-पार उड़ान काल जिसके अन्तर्गत उड़ान के दौरान एक सौ नॉटीकल मील अन्यून कोई उड़ान जिसमें से दो भिन्न स्थलों पर पूर्ण विराम अवतरण हो। इस उड़ान काल को उप-खंड (i) के अधीन अपेक्षित उड़ान काल में शमिल किया जा सकेगा।

परन्तु चालू पायलट अनुज्ञसि या उच्चतर दर्जे की पायलट अनुज्ञसि (हेलीकाप्टर) के धारक को अनुभव की अपेक्षाओं से छूट दी जा सकेगी। तथापि, ऐसे पायलटों को संतोषप्रद रूप से उन उड़ानों से परिचित होना अपेक्षित है जिनके पश्चात तीन एकल उड़ान भरना और अवतरण होंगे। महानिदेशक द्वारा प्राधिकृत किसी अनुमोदित परीक्षक या किसी उड़ान अनुदेशक के परीक्षण में उड़ान की पूर्ण जानकारी दे दी गई है।

- (च) उड़ान प्रशिक्षण—उसने महानिदेशक द्वारा विहित पाठ्यक्रम के अनुसार उड़ान प्रशिक्षण पूरा कर लिया होगा।
- (छ) कौशल—उसने आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती छह मास की अवधि के भीतर उस प्रकार के स्पोर्ट जायरोप्लेन पर जिससे अनुज्ञसि के लिए किए गए आवेदन का संबंध है, पाठ्यक्रम में विहित प्रक्रियाएं और अभ्यास करने की सक्षमता अनुमोदित परीक्षक के समाधानप्रद रूप में प्रकट करनी होगी।

2. **विधिमान्यता**—यह अनुज्ञसि नियम 39g में यथा विनिर्दिष्ट अवधि के लिए विधिमान्य होगी।
3. **नवीकरण**—आवेदक से इस आशय के संतोषप्रद साक्ष्य की प्राप्ति पर अनुज्ञसि का नवीकरण किया जा सकेगा कि:
 - (क) वह पैरा 1(g) के अनुसार चिकित्सीय परीक्षा करा चुका है;
 - (ख) उसने नवीकरण के लिए आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती छह मास की अवधि के भीतर जायरोप्लेन के समादेशक पायलट के रूप में पांच घंटे से अन्यून उड़ानकाल संतोषप्रद रूप से पूरा कर लिया है या उसके बदले में आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती छह मास की अवधि के भीतर पैरा 1(छ) में अधिकथित उड़ान परीक्षण संतोषप्रद रूप से पूरा कर लिया है।

4. **वायुयान रेटिंग**—अनुज्ञसि में उस जायरोप्लेन का प्रकार उपदर्शित होगा, जिसके उड़ान का हकदार धारक है। सभी प्रकार के जायरोप्लेन के लिए खुली रेटिंग उस दशा में मंजूर की जा सकेगी जब पायलट ने हेलीकाप्टर या जायरोप्लेन के समादेशक पायलट के रूप में एक सौ घंटे से अन्यून उड़ानकाल संतोषप्रद रूप से पूरा कर लिया हो:

परन्तु यह कि खुली रेटिंग के विशेषाधिकार का प्रयोग तभी किया जा सकेगा जब किसी अर्हित जायरोप्लेन पायलट जिसके पास समादेशक पायलट का एक सौ पचास घंटे से अन्यून का अनुभव है और अर्हित जायरोप्लेन पायलट द्वारा पायलट की लाँग पुस्तिका में इस आशय का प्रमाणपत्र अभिलिखित कर दिया गया है, का न्यूनतम 45 मिनट उड़ान माल की पूर्ण जानकारी दे दी गई।

5. **विशेषाधिकार-**
 - (क) नियम 39b, 39g और 42 के सुसंगत उपवंधों का पालन करने के अधीन रहते हुए, पायलट अनुज्ञसि (जायरोप्लेन) के धारक का विशेषाधिकार ऐसे जायरोप्लेन के समादेशक पायलट के रूप में, जो अनुज्ञसि के वायुयान रेटिंग में दर्ज हो, दृश्य उड़ान नियमों के अधीन कार्य करना होगा।
 - (ख) कोई जायरोप्लेन पालयट निम्नलिखित नहीं करेगा:
 - (i) प्रतिकर या किराये के लिए यात्री या संपत्ति का वहन;
 - (ii) रात्रि उड़ान;
 - (iii) प्रवर्ग घ और ड. वायुक्षेत्र (नियंत्रित वायुक्षेत्र) में तब तक उड़ान नहीं करेगा जब तक कि वह विधिमान्य रेडियो, टेलीफोन प्रचालक अनुज्ञसि (निर्वाधित) का धारक नहीं है और उसे किसी अनुमोदित अनुदेशक द्वारा प्रचालन नियंत्रण टॉवर वाले किसी विमान क्षेत्र पर प्रचालन किए जाने के लिए लाँग बुक पृष्ठांकन से प्रशिक्षित नहीं कर दिया गया है।

- (iv) समुद्र सतह से 10,000 फीट से अधिक या भूमि स्तर से 2000 फीट से अधिक उन्नतांश से अधिक ऊंचाई पर उड़ान करना इनमें से जो भी अधिक हो;
 - (v) जब उड़ान या भू-दृष्ट्या 5,000 मीटर से कम हो।
 - (vi) ऊपरी दृश्य निर्देश के बिना
 - (vii) उड़ानरत वायुयान की विशेष उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र पर लगाई गई किसी प्रचालन सीमा के प्रतिकूल उड़ान भरना
 - (viii) पायलट अनुज्ञसि पर कोई सीमा या चिकित्सा दृष्ट्या या किसी अन्य सीमा के प्रतिकूल उड़ान भरना
- (ग) उस प्रकार के विमान पर अर्हित पायलट के पर्यवेक्षण के अधीन 2 घंटे की उड़ान का परिचय देने के पश्चात, किसी अन्य प्रकार के जायरोप्लेन के उड़ान का परिचय प्राप्त कर लिया है और इस आशय का प्रमाणपत्र उस विमान के अर्हित जायरो पायलट द्वारा पायलट की लाँग पुस्तिका में अभिलिखित किया जाएगा।
- (घ) पायलट अनुज्ञसि (जायरोप्लेन) धारक जिसके पास किसी जायरोप्लेन पर समादेशक पायलट के रूप में कुल 100 घंटे के उड़ान काल का अनुभव है, इस शर्त के अधीन रहते हुए अनुदेशात्मक प्रशिक्षण दे सकेगा कि महानिदेशक से अनुमोदित परीक्षक द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए उसका उपयुक्त निर्धारण कर दिया गया है।
- (ड.) उड़ान अनुदेशक रेटिंग धारक जिसके पास किसी जायरोप्लेन पर समादेशक पायलट के रूप में कुल 15 घंटे के उड़ान काल का अनुभव है, जायरोप्लेन पर अनुदेशात्मक प्रशिक्षण दे सकेगा।

[फा.सं. ए.वी.11012/5/2017-ए]

अरूण कुमार, संयुक्त सचिव

टिप्पणी: मूल नियम तारीख 23 मार्च, 1937 के अधिसूचना सं. वी-26 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन तारीख 19 सितंबर, 2017 की सा.का.नि संख्या 1171(अ) द्वारा तारीख 20 सितंबर, 2017 के भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड 3, उप-खंड ((i)) में प्रकाशित किए गए।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st November, 2017

G.S.R. 1358(E).—Whereas the draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, was published, as required by section 14 of the Aircraft Act, 1934 (XXII of 1934), *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (i), *vide* number G.S.R. 1152(E), dated the 11th September, 2017, for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of the period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to public;

And whereas copies of the Gazette in which the said notification was published were made available to the public on the 13th September, 2017;

And whereas objections or suggestions received in respect of the draft rules within the period specified have been taken into consideration;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the said Aircraft Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely:—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Eleventh Amendment) Rules, 2017.
- (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft Rules, 1937,—

(A) in rule 3,—

(i) after clause (9A), the following clause shall be inserted, namely:—

“(9B) “Amateur-built aircraft” means an aircraft, the major portion (minimum 51%) of which has been fabricated and assembled by person or persons who undertook the construction project solely for their own education, research and development, sports or recreation;”;

(ii) after clause (27), the following clause shall be inserted, namely:—

“(27A) “Gyroplane” means a rotorcraft whose rotors are not engine-driven, except for initial starting, but are made to rotate by action of the air when the rotorcraft is moving; and whose means of propulsion, consisting usually of conventional propellers, is independent of the rotor system;”;

(iii) clause (39A) shall be omitted;

(iv) after clause (47A), the following clauses shall be inserted, namely:—

“(47B) “Remote Pilot” means a person charged by the operator with duties essential to the operation of a remotely piloted aircraft and who manipulates the flight controls, as appropriate, during the flight time;

“(47C) “Remote Pilot Station” means the component of the remotely piloted aircraft system, containing the equipment used to pilot the remotely piloted aircraft;

“(47D) “Remotely Piloted Aircraft” means an unmanned aircraft which is piloted from a remote pilot station;

“(47E) “Remotely Piloted Aircraft System” means a remotely piloted aircraft, its associated remote pilot station(s), the required command and control links and any other components as specified in the type design;”;

(B) in rule 6C, for the explanation, the following shall be substituted, namely:—

“Explanation.—For the purpose of this rule,—

- (1) an aircraft shall include an amateur-built aircraft; and
- (2) the expression “specific special purpose non-revenue, non-passenger-carrying flight” shall include flights authorised by the Central Government in the event of national or international crisis, natural calamities, emergencies or otherwise requiring such flights to carry material or goods for relief purposes.”;

(C) after rule 15, the following rule shall be inserted, namely:—

“15A. Operation of Remotely Piloted Aircraft System. — (1) No remotely piloted aircraft of all-up-weight more than 250 grams shall be flown unless such aircraft has been allotted a Unique Identification Number by the Director-General.

(2) A remotely piloted aircraft with all up weight exceeding a limit as specified by the Director-General from time to time shall not be flown by the operator, save, as per the conditions of the permit issued by the Director-General. Such permit shall be granted by the Director-General on being satisfied that the applicant meets the requirements as specified by the Director-General in this behalf. The

continued validity of the permit shall be subject to compliance of such conditions as may be stipulated by the Director-General in the permit.

(3) The permit granted under sub-rule (2) shall, unless suspended or cancelled, remain valid for a period not exceeding five years, and may be renewed for a period not exceeding five years at a time.

(4) In case of non-compliance with the conditions of the permit or for any other violation of the provisions of these rules, the Director-General may suspend or cancel the permit after giving a show cause notice to the holder.

(5) The fee for issue of unique identification number for a remotely piloted aircraft shall be rupees 1000 only.

(6) The following fees shall be payable for, grant and renewal of permit to operate a remotely piloted aircraft:

- (i) for grant of permit: Rupees 25,000 only;
- (ii) for renewal of permit: Rupees 10,000 only.

(7) The fee shall be paid in the manner as specified by the Director-General.”;

(D) for rule 20, the following rule shall be substituted, namely:—

“20. Certain rules not applicable to Gliders, Kites and Remotely Piloted Aircraft System.— (1) The rule 7 shall not apply to gliders, and rules 5, 6, 7, 12, 15, 17, 19 and the rules in Part III, with the exception of rule 26, shall not apply to kites.

(2) The rules 5, 6, 15 in Part II, all rules in Part III with the exception of rules 21, 21A, 26 and all rules in Part IV, Part V, Part VI and Part VII, shall not apply to remotely piloted aircraft system.”;

(E) in rule 38, in sub-rule (1), —

- (i) in clause (a), for the word “helicopters”, the words “helicopters, gyroplanes” shall be substituted;
- (ii) in clause (h), for the words “microlight aircraft and light sport aircraft”, the words “microlight aircraft, light sport aircraft and gyroplane” shall be substituted;

(F) in rule 39C, in the table under sub-rule (1), —

- (i) in item (iii), for the word “helicopters”, the words “helicopters or gyroplanes” shall be substituted;
- (ii) in item (iv), for the word “microlight aircraft”, the words “microlight aircraft or gyroplanes” shall be substituted;

(G) in rule 60, in sub-rule (6), for the word “glider”, the words “Gyroplane, glider” shall be substituted;

(H) in rule 61, in sub-rule (12), in clause (ii) in explanation (b), for the word “glider” the words “Gyroplane, glider” shall be substituted;

(I) in Schedule II, —

- (1) in Section A, —

- (a) in para 1, in sub-para (a), —
 - (i) in clause (i), for the word “Helicopters”, the words “Helicopters/Gyroplanes” shall be substituted;
 - (ii) In clause (iv), for the words “Microlight aircraft”, the words “Gyroplanes/Microlight aircraft” shall be substituted;
 - (b) in para 5, in sub-para (b), for the letters and sign “F&G”, the letters and word “ F, G and IB” shall be substituted;
 - (c) In para 6A, in sub-para (a), —
 - (i) in clause (vii), the word “and” shall be omitted;
 - (ii) in clause (viii), at the end, the word “, and” shall be added;
 - (iii) after clause (viii), the following clause shall be inserted, namely: —
“(ix) Pilot’s Licence (Microlight aircraft/Light sport aircraft/Gyroplanes)”;
- (2) in Section B, —
- (a) in the heading and in para 1, for the words “light sport aircraft”, the words “Light sport aircraft/ Gyroplanes” shall be substituted;
 - (b) in para 5, for the words “or light sport aircraft”, the words “, light sport aircraft or gyroplane” shall be substituted;
- (3) after Section- IA, the following Section shall be inserted, namely:—

**“Section-IB
Pilot’s Licence (Gyroplane)**

1. Requirements for issue of Licence—An applicant for a Pilot’s Licence (Gyroplane) shall satisfy the following requirements namely:

- (a) Age—He shall not be less than seventeen years of age on the date of application.
- (b) Educational Qualification—He shall have passed Class Ten or equivalent examination from a recognised Board.
- (c) Medical Fitness—He shall produce on a prescribed proforma a certificate of physical fitness from an approved medical practitioner after undergoing a medical examination, during which he shall have established his medical fitness on the basis of compliance with the requirements as notified by the Director-General under rule 39B.
- (d) Knowledge—He shall pass a written examination in Air Regulations, Air Navigation, Aviation Meteorology and Aircraft and Engine as per the syllabus prescribed by the Director-General:

Provided that an applicant in possession of a valid Private Pilot’s Licence (Aeroplanes)/ (Helicopters) or a higher category of Pilot’s Licence shall pass an examination in Aircraft and Engines only.

- (e) Experience —He shall produce evidence of having satisfactorily completed as a Pilot of a gyroplane not less than forty hours of flight time, which shall include—
 - (i) not less than fifteen hours of solo flight time of which not less than ten hours shall have been completed within a period of twelve months immediately preceding the date of application.

- (ii) not less than five hours of cross-country flight time as the sole occupant of a gyroplane including a flight of not less than one hundred nautical miles in the course of which full stop landings at two different points shall have been made. This flight time may be included in the flight time required under sub-clause (i).

Provided that the holder of a current Private Pilot's Licence (Helicopter) or a higher category of Licence (Helicopter) shall be exempted from the experience requirements. Such pilots shall, however, be required to carry out familiarisation flights satisfactorily which shall be followed by not less than three solo take-offs and landings. The familiarisation flights shall be carried out under the supervision of an approved Examiner or a Flight Instructor authorised by the Director-General.

- (f) Flying Training—He shall have completed flying training in accordance with the syllabus prescribed by the Director-General.
- (g) Skill—He shall have demonstrated his competency to perform the procedures and manoeuvres prescribed in the syllabus to the satisfaction of an Examiner, on the type of gyroplane to which the application for the licence relates, within a period of six months immediately preceding the date of application.

2. Validity—The licence shall be valid for a period as specified in rule 39C.

3. Renewal—The licence may be renewed on receipt of satisfactory evidence of the applicant —

- (a) having undergone a medical examination in accordance with para 1 (c) above; and
- (b) having satisfactorily completed not less than five hours of flight time as Pilot-in-command of a gyroplane within a period of six months immediately preceding the date of application for renewal or in lieu thereof; having satisfactorily completed the flight test as laid down in para 1(g) above within a period of six months immediately preceding the date of application.

4. Aircraft Ratings—The licence shall indicate the type of gyroplane the holder is entitled to fly. An open rating for all types of gyroplane may also be granted if he has satisfactorily completed not less than one hundred hours of flight time as Pilot-in-Command of a helicopter or a gyroplane:

Provided that the privilege of the open rating shall be exercised only after having undergone familiarisation flight of minimum 45 minutes duration with a qualified gyroplane pilot having not less than one hundred fifty hours of Pilot-in-Command experience and a certificate to that effect shall be recorded by the qualified gyroplane pilot in the pilot's log book.

5. Privileges—(a) Subject to provisions of Rules 39B, 39C and 42, the privileges of the holder of a Pilot's Licence (Gyroplane) shall be to act as Pilot –in-Command of a gyroplane which is entered in the Aircraft Rating of his licence, under the visual flight rules.

(b) A Gyroplane Pilot shall not:

- (i) carry a passenger or property for compensation or hire;
- (ii) fly at night;
- (iii) fly in Class D and E airspace (controlled airspace) unless he holds a valid Flight Radio Telephony Operator's Licence (Restricted) and has been trained by an approved instructor with a log book endorsement for operation at any aerodrome with an operating control tower;
- (iv) fly at an altitude of more than 10,000 feet mean sea level or 2000 feet above ground level, whichever is higher;
- (v) fly when flight or surface visibility is less than 5000 meter;
- (vi) fly without visual reference to surface;

- (vii) fly contrary to any operating limitation placed on the special certificate of airworthiness of the aircraft being flown; and
 - (viii) fly contrary to any limit on pilot licence or medical or any other limit.
- (c) Fly another type of gyroplane after familiarisation of 2 hours under the supervision of qualified pilot on that type and a certificate to that effect shall be recorded by the qualified gyroplane pilot of that aircraft in the pilot's log book.
- (d) The holder of a Pilot Licence (Gyroplane) having a total experience of 100 hours of flight time as Pilot-in-Command on a gyroplane may impart flying instructions on a gyroplane subject to the condition that he has been assessed fit for imparting training by an examiner approved by the Director General.
- (e) The holder of a Flight Instructor's Rating (Helicopter) having total experience of 15 hours of flight time as Pilot-in-Command on a gyroplane may impart instructional training on a gyroplane.”.

[F. No. AV.11012/5/2017-A]

ARUN KUMAR, Jt. Secy.

Note: The principal rules were published in the Gazette of India, *vide* notification number V-26, dated the 23rd March, 1937 and last amended *vide* G.S.R. 1171(E) dated 19th September, 2017 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 20nd September, 2017.